वार्तालाप-754, कलयमगल नगर, ता.01.5.09
Disc.CD No.754, dated 01.05.09 at Kalaimagalnagar

समय-11.46-12.50

जिज्ञासु- कोयम्बतूर, तिरुवरवेल्ली के कम्पिल में भट्टी करके गये पर अभी तक आये नहीं संगठन में, तिरुची में भी आके गये और तिरुवारुर, तिरुची 4-5 जगह पर भट्टी करके.....

बाबा- वो सब टूटे हुए पड़े हैं?

जिज्ञासु- मद्रास के लिंक में आते ही नहीं हैं.....।

बाबा- ये चेन्नई के कुमार हैं इनको कहो कि उधर चक्कर लगाये।

जिज्ञासु- अभी दो संगठन से ज्यादा हुआ अभी तक आये नहीं।

बाबा- जो वंचित हुई आत्मायें पड़ी हैं उनको पहले उठाना चाहिए। नयों-2 को संदेश देने से ज्यादा अच्छा है, जो टूट पड़ी हैं; पहले एडवांस में थी फिर कारणे-अकारणे टूट गई उनको उठाने से ज्यादा फायदा होगा। वो अनुभवी बन गई अब।

Time: 11.46-12.50
Student: Students from Coimbatore, Tiruvaravelli have undergone *bhatti* from Kampil, but they have not come to the *sangathan* (gathering) so far. Students have gone (for *bhatti*) from Tiruchi and Tiruvarur; they have gone from 4-5 places for *bhatti*….
Baba: Have they all broken away (from knowledge)?
Student: They do not maintain a link with Madras at all…..
Baba: This one is a kumar from Chennai; ask him to visit those places.
Student: More than two *sangathans* have been organized so far (ever since they underwent *bhatti*), but they haven't come yet.
Baba: The deprived souls should be uplifted first. Rather than giving message to the new ones, it is more beneficial if you uplift the souls who have broken away (from knowledge), who were in advance (party) earlier and broke way (from knowledge) due to one reason or the other. They have become experienced now.

समय- 13.00-14.33

जिज्ञासु- बाबा, बाबा ने बोला है कि जो पहले जाते हैं वो पहले सुखधाम में आते हैं....

बाबा- हाँ, जो पहले परमधाम में जाते हैं वो पहले सुखधाम में आते हैं।

जिज्ञासु- प्रजापिता तो बाबा सबसे लास्ट में शरीर छोड़ते है....

बाबा- शरीर छोड़ता लास्ट में है लेकिन तब तक जब तक वो यहाँ शरीर छोड़ता है तब तक 500-700 करोड़ आत्माएँ सब सूक्ष्म वतन में इकट्ठी होती हैं। परमधाम नहीं जा सकती वापस। इसलिए झाड़ के चित्र में दिखाया ऊपर शंकरजी.... आत्माएँ जा रही है, शंकरजी बैठा

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

हुआ है। क्या? आत्माओं को नैनों पर बिठा करके ले जाने वाला प्रैक्टिकल में कोई चाहिए, वो बैठा हुआ है। वो जब तक शरीर नहीं छोड़ेगा तब तक सूक्ष्म वतन में टिकेंगी। फिर जब वो शरीर छोड़ेगा तो सब उड़ेंगे और वो पहले पहुँच जायेगा।

जिज्ञासु- तो बाबा सबसे पहले वो ही आत्मा....

बाबा- वो ही आत्मा। जो पहले पहुँचेंगी वो ही पहले आयेगी।

जिज्ञासु- तो बाबा, फिर उसके साथ लक्ष्मी की आत्मा साथ में आती है या उसके बाद आती है?

बाबा- लक्ष्मी वाली जो आत्मा है वो उसके साथ ही है पहले या बाद में? लक्ष्मी वाली आत्मा के साथ लिये बगैर राम वाली आत्मा जो है वो परमधाम वापस जा सकेगी? नहीं जा सकेगी। ये तो प्रवृत्तिमार्ग है। प्रवृत्ति में जब तक गांठ नहीं बंधेगी, कोई काम सफल होने वाला नहीं है।

Time: 13.00-14.33

Student: Baba, Baba has said that those who go first (to the Supreme Abode) will come to the Abode of Happiness first….

Baba: Yes, those who go to the Supreme Abode first come to the Abode of Happiness first.

Student: Baba, Prajapita leaves his body last of all.

Baba: He leaves the body last, but until he leaves his body here, all the 5-7 billion souls gather in the subtle world. They cannot go back to the Supreme Abode. This is why Shankarji has been shown above in the picture of the tree…….souls are departing and Shankarji is sitting. What? There is someone required in practice to take the souls on his eyelids. He is sitting there. Until he leaves his body they will remain in the subtle world. Then, when he leaves his body, all of them will fly and he will reach first.

Student: So, Baba, first of all that soul…

Baba: The same soul. The one who will reach first will come down first.

Student: So Baba, does the soul of Lakshmi come with him or after him?

Baba: Is the soul of Lakshmi with him at first or after him? Can the soul of Ram return to the Supreme Abode without taking the soul of Lakshmi with him? He cannot. This is the path of household. Until they tie a knot in the path of household, no task is going to be successful.

समय- 14.34-16.31

जिज्ञासु- बाबा बोलते हैं ना कि सारी दुनिया खत्म हो जायेगी, सिर्फ भारत ही बचेगा। तो बाबा विदेश में फिर आत्माएँ कैसे, क्या उनका भी बर्फ में शरीर .....

बाबा- वो तो डूब जायेंगी सब समुन्दर में।

जिज्ञासु- डूब जायेंगी तो फिर विदेश में मनुष्य आत्माएँ कैसे उत्पन्न होती है? भारत से तो जाती नहीं है।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबा- जाती नहीं है?

जिज्ञासु- द्वापर से भारत की ही आत्माएँ वहाँ जाती है?

बाबा- हाँ, ठीक है। भारतवासी ही चारों तरफ दुनिया में फैले हुए है। सारी दुनिया उनके ही बच्चे हैं।

जिज्ञासु- मेरा मतलब है, जो विदेश है....

बाबा- विदेश में चले गए।

जिज्ञासु- हाँ, बाबा वो तो खत्म हो जाता है। अभी सब खत्म हो जायेगा सिर्फ भारत खंड ही बचेगा।

बाबा- हाँ।

जिज्ञासु- तो जब द्वापर में विनाश होता है....

बाबा- आधा विनाश होता है हिन्दुस्तान में। हिन्दुस्तान में आधा विनाश होता है।

जिज्ञासु- तो उसी समय भारत का पार्टिशन होना शुरु हो जाता है?

बाबा- नहीं।

Time: 14.34-16.31
Student: Baba says that the entire world will perish; only India will survive, doesn't He? So, Baba what about the souls in the foreign countries? Will their bodies also be buried in ice….?
Baba: All of them will submerge in the ocean.
Student: If they submerge, how will human souls emerge there in the foreign countries? They do not go from India.
Baba: Do they not go?
Student: Do the souls of India go there from the Copper Age?
Baba: Yes, it s correct. Only the Indians have spread out all over the world. The entire world is their progeny only.
Student: I mean the foreign countries….
Baba: They went to the foreign countries.
Student: Yes, Baba that perishes. Now everything will perish. Only the Indian landmass will survive.
Baba: Yes.
Student: So, when destruction takes place in the Copper Age…
Baba: Semi-destruction takes place in India. Semi-destruction takes place in India.
Student: So, does the partition of India begin from that time itself?
Baba: No.

जिज्ञासु- तो फिर विदेश में आत्मायें कैसे उत्पन्न होती हैं?

बाबा- वो धीरे-2 अरब खंड पहले ऊपर आयेगा। एकदम थोड़े ही सब देश ऊपर आ जायेंगे।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु- फिर बाबा मनुष्यात्माएँ वहाँ पर उत्पन्न कैसे होती हैं?

बाबा- उत्पन्न वहाँ नहीं होती हैं। भारत से ही वहाँ दौड़ करके जाती हैं।

जिज्ञासु- जाने का रास्ता तो रहता नहीं पूरा समुद्र होता है, चारों तरफ से।

बाबा- नहीं-2 पृथ्वी से होते हुए, समुन्दर से होते हुए जाते हैं, नौकाओं से जाते हैं। नौकाएँ थी न पहले?

जिज्ञासु- बाबा, जब द्वापर में आधा विनाश हो जाता है तो अकाले मृत्यु में आत्मा शरीर छोड़ देती है।

बाबा- हाँ, छोड़ेंगी। जो अकाले मौत शरीर छोड़े वो ही तो सब विधर्मी हैं। जो पक्के स्वधर्मी हैं वो कभी अकाले मौत में शरीर नहीं छोड़ते। प्रकृति उनका ऑपोजिशन कर ही नहीं सकती।

Student: So, then how do souls emerge in foreign countries?
Baba: The Arabian landmass will emerge slowly. All the countries will not emerge at once.
Student: Then Baba how do human souls emerge there?
Baba: They do not emerge there. They run from India to those places.
Student: There is no way to go, there is ocean all around.
Baba: No, no. They go by land route, they go by ocean route; they go by boats. There were boats earlier, weren't there?
Student: Baba, when semi-destruction takes place in the Copper Age, the souls leave their bodies due to untimely death.
Baba: Yes, they will leave their bodies. Those who leave their bodies in an untimely death are all *vidharmis*[1]. Those who are firm *swadharmis* will never leave their bodies in an untimely death. Nature cannot oppose them at all.

<u>समय- 25.00-27.23</u>

जिज्ञासु- बाबा, बाबा कहते हैं कि इच्छा मत करो, इच्छा मात्रम अविद्या। लेकिन कुछ इच्छायें ऐसी हैं जैसे बच्चों की पढ़ाई की इच्छा है। वो तो बाबा करनी पड़ती है।

बाबा- बच्चों की पढ़ाई? वो तो कह दिया डॉगली पढ़ाई और गॉडली पढ़ाई। तो ईश्वर की जो शिखामणी है, ईश्वर की शिक्षा है उस शिक्षा के बरखिलाफ हम इच्छा क्यों करेंगे?

जिज्ञासु- बाबा, घर वाले चाहते हैं कि बच्चे अच्छे बने।

बाबा- माना दुनिया जो कहेगी सो ही हम करेंगे?

जिज्ञासु- वो बात तो हमें मन से नहीं लेकिन ऊपर से तो माननी पड़ती है।

Time: 25.00-27.23

[1] those who beliefs and practices are opposite to that set by the Father

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Student: Baba, Baba says that we should not have any desires. We should not even have the trace of the knowledge of desires (*ichcha maatram avidya*). But there are some desires like the desire to get our children educated. We have to fulfill that desire.
Baba: Children's education? About that it has been said that there is a *dogly* study and a *godly* study. So, why will we have any desire against the teachings of God?
Student: Baba, our family members want our children to become good people.
Baba: Does it mean that we will do whatever the world says?
Student: We don't accept it from our heart, but we have to pretend that we accept it.

बाबा- माननी पड़ती है माना हम मजबूर है ना? हम ज्ञानी नहीं है ना? हम ज्ञानी तू आत्मा हैं या भक्त आत्मा हैं? भक्त बन्धन में रहेगा और ज्ञानी? जितना पक्का ज्ञानी होगा उतना किसी के बन्धन में नहीं रह सकता। इसलिए ज्ञानी प्रभुए विशेष प्यारा। भगवान को ज्ञानी ज्यादा प्रिय क्यों हैं? तुम सब सीताएँ हो, भक्तियाँ हो। तो उनमें प्रवेश नहीं करता। सीताओं में भक्तियों में प्रवेश करता है? नहीं करता। किसमें प्रवेश करता है? राम में प्रवेश करता है। राम को भक्ति थोड़े ही कहेंगे। सीता थोड़े ही कहेंगे। इसलिए ज्ञानी ज्यादा प्रिय है। 100% ज्ञानी भी वो ही बनेगा जिसने 100% भक्ति की होगी। भक्ति वो है आदिकाल की, अव्यभिचारी। अभी की नहीं। अभी की भक्ति व्यभिचारी हो गई और आदिकाल की भक्ति अव्यभिचारी भक्ति थी, वो बहुत तीखी भक्ति है।

Baba: We have to accept it; it means that we are under compulsion, aren't we? We are not knowledgeable, are we? Are we knowledgeable souls or devotee souls? A devotee will remain under bondage and what about a knowledgeable one? The more firmly knowledgeable person someone is, the more he will not be able to remain under anyone's bondage. This is why a knowledgeable person is especially dear to God. Why are knowledgeable ones dearer to God? You all are Sitas, devotees. So, He does not enter them. Does He enter the Sitas and *bhaktis*? He does not. Whom does He enter? He enters Ram. Ram will not be called *bhakti.* He will not be called Sita. This is why the knowledgeable ones are dearer (to God). Only the one, who must have done 100% *bhakti* will become 100% knowledgeable. That is the *Bhakti* of the early period, the unadulterated [*bhakti*]. Not (the *bhakti*) of the present time. The present day *bhakti* has become adulterated and the *bhakti* of the early period was unadulterated *bhakti,* that is very intense *bhakti*.

<u>समय- 27.22-32.54</u>

जिज्ञासु- रघुपति राघव राजा राम, पतित पावन सीता राम, हे राम और राम नाम सत्य है इसका राम कैसा-2 बाबा?

बाबा- एक ही तो राम है। कैसा-2 कहाँ है? राम नाम सत्य है वो कब बोलते हैं? जब मरते हैं तब ही तो बोलते हैं, राम नाम सत्य है। जन्म लेते हैं तो बोलते हैं, राम नाम सत्य है?

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बोलते हैं? नहीं बोलते हैं। इसका मतलब ये हैं कि अभी जो आत्मायें जन्म ले रही हैं ज्ञान में, बाप का बच्चा बन रही हैं अभी राम की वैल्यू नहीं है। क्या? जब आत्मायें जन्म लेती हैं, ज्ञान में आती हैं, निश्चयबुद्धि बनती हैं, बाप का बच्चा बनती हैं तो उनको राम की उतनी वैल्यू नहीं है। जब अंत समय इस सृष्टि का आयेगा, मरने का टाईम आयेगा सबका, जीते जी मरना देहभान से तब याद आयेगा राम नाम सत्य है। और कोई आत्मा इस सृष्टि पर सत्य नहीं है। एक राम ही सत्य है। बाकी सब धोखे देने वाले होंगे लास्ट टाईम पर और वो राम भी इसलिए सत्य है क्योंकि वो निराकार राम उसमें प्रवेश होता है मुकर्रर रूप से। टेम्परारी रूप में नहीं। मुकर्रर रूप से प्रवेश होता है इसलिए वो सत्य है। नहीं तो ऐसे भी नहीं कि 63 जन्मों में सत्य था।

Time: 27.22-32.54

Student: It is said '*Raghupati Raghav Raja Ram, Patit Paavan Sita Ram'*, '*He Ram*', '*Ram naam satya hai'* – Baba, are they different Rams?

Baba: There is only one Ram. There aren't different (Rams). When do they say '*Ram naam satya hai'* (Ram's name is true)? They say '*Ram naam satya hai'* only when someone dies. Do they say '*Ram naam satya hai'* when someone is born? Do they say? They do not say. It means that the souls who are being born in knowledge now, who are becoming the children of the Father do not have value for Ram now. What? When the souls are born, when they enter the path of knowledge, when they develop faith, when they become the Father's children, they do not have much value for Ram. When the last period of the world comes, when the time for everybody's death comes, when they die from body consciousness while being alive, then they will remember that the name of Ram is true. No other soul is true in this world. Only one Ram is true. All others will deceive at the last time, moreover, that Ram is true because that Incorporeal Ram enters him in a permanent way, not in a temporary way. He enters him in a permanent way; this is why he is true. Otherwise, it is not that he was true for 63 births.

63 जन्मों में सत्य हो सकता है वो? नहीं। वो भी दूसरों के प्रभाव में आता है, विदेशियों के प्रभाव में नहीं आता क्या? क्या रामवाली आत्मा ने 63 जन्मों में हिंसक युद्ध नहीं किये? हिंसक युद्ध किये ना? तो शिवबाबा की श्रीमत के बरखिलाफ किये या शिवबाबा की श्रीमत के अनुकूल किये? बरखिलाफ किये। महात्मा बुद्ध ने सिखाया, क्या? अहिंसा परमोधर्म। कोई तुम पे हमला करता है तो तुम बदले में उसके ऊपर हमला मत करो, ये महात्मा बुद्ध की थियोरी रही लेकिन राम वाली आत्मा की ये थियोरी नहीं रहती। अगर कोई हमारे ऊपर हमला करता है, हमारे बीवी बाल-बच्चों को नुक्सान पहुँचाता है, कनवर्ट करता है, दुःख देता है, चोरी करता है तो क्या जो सनातन धर्म की पक्की आत्मायें होंगी वो बौद्धियों के तरह हाथ उठाय देगी,

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

अच्छा भैया ले जाओ, पत्नी, बीवी, बाल-बच्चों को ले जाओ तुम? हाथ उठा देंगी? अगर हाथ उठा भी देंगी तो जो बीवी बाल-बच्चे हैं जिनकी आस्था अपने बाप के ऊपर बैठी हुई है उनके दिल को दुःख होगा या सुख होगा? क्या होगा? वो बहुत दुःख हो जायेगा। ये तो पाप बन गया।

Can he be true in the 63 births? No. He comes under the influence of others, too. Does he not come under the influence of the foreigners? Did the soul of Ram not wage violent wars in the 63 births? He waged violent wars, did he not? So, did he wage (those wars) against the *shrimat* of Shivbaba or in accordance with the *shrimat* of Shivbaba? He waged it against the *shrimat.* Mahatma Buddha taught; what? *Ahimsa parmodharma* (non-violence is the greatest religion). Mahatma Buddha's theory was that if someone attacks you, do not launch a counter-attack. But the soul of Ram does not follow this theory. If someone attacks us, if someone causes harm to our wife and children, if someone converts them, if someone gives them sorrow, if someone steals, then will the souls which are firm in the Ancient Deity religion raise their arms [in surrender] like the Buddhists [telling them] – OK, brother, take my wife and children. Will they raise their arms? Even if they raise their arms, will his wife and children, who have faith on their father, feel sorrowful or happy? What will happen? They will feel very sorrowful. This results in a sin.

भगवान तो शरणागत वत्सल है। शरण में आये हुए को ठुकराता है क्या? भगवान शरण में आये हुए को ठुकराता है? नहीं ठुकराता है। तो यहाँ भी कोई हमला करता है..... मान लो हम घर में बैठे हैं और कोई हथियार लेकरके हमला करता है या उठा के ले जाता है किड्नैप करके, तो ले जाने दें? उसकी हिंसा का जो बदला है वो हिंसा से हम निजात नहीं पायेंगे? छोड़ देंगे? क्या करेंगे? ब्रह्मा को फॉलो करना है कि नहीं करना है? अरे, ब्रह्मा को फॉलो करना है कि नहीं करना है कर्मों में? करना है ना? ब्रह्मा बाबा माउंट आबू में, बच्चों की सेफ्टी के लिए रात में बन्दूकधारी रखते थे या नहीं रखते थे? रखते थे कि नहीं रखते थे? अरे? रखते थे। किस लिए रखते थे? बन्दूक की क्या जरूरत? जब अहिंसा पर्मोधर्म है, हिंसा नहीं करनी है तो बन्दूकधारी क्यों रखा? अपनी सुरक्षा पहले करनी है। बौद्धियों के तरह बुद्धू नहीं बनना है। बुद्धू बन गये तो उनकी राजाई ही चली गई। सफाचट्ट हो गई राजाई, भीख माँगने लग पड़े। क्या कर रहे हैं बौद्धी अभी? बौद्धी लोग अपना पेट पूर्ति काहे से करते हैं? भीख माँग के करते हैं। ये अच्छी बात हुई?

God is *sharnaagat vatsal*. Does He reject anyone who seeks shelter from Him? Does God reject anyone who comes to take God's shelter? He does not reject. So, even here, if someone attacks.... suppose we are sitting at home and someone attacks us with arms or if someone kidnaps someone, should we let them take him away? Will we not counter that violence with violence? Will we leave? What will we do? Should we follow Brahma or not? Arey, should

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

we follow Brahma in actions or not? We have to, haven't we? Did Brahma Baba used to engage gunmen for the safety of children at night at Mount Abu or not? Did he engage or not? Arey? He used to engage. Why did he engage (them)? What is the need for guns? When non-violence is the greatest religion, when we should not indulge in violence, why did he engage gunmen? We should safeguard ourselves first. We should not become fools like the Buddhists. When they became fools, they lost their kingship. The kingship was lost; they started begging. What are the Buddhists doing now? How do the Buddhists fill their stomach? They do so by begging. Is this good?

समय-34.05-39.05

जिज्ञासु- बाबा, बाबा ने बोला है एक मुरली में कि प्रजापिता से ही लक्ष्मी की आत्मा ज्ञान लेती है।

बाबा- नहीं, गलत बात। प्रजापिता पुरुष है, पुरुष चोला है; है ना? पुरुष चोला जितने भी है वो सब दुर्योधन दुःशासन है या नहीं है? चाहे वो ब्रह्मा हो चाहे वो शंकर हो, पुरुष चोला है ना? पुरुष चोला के मुख से ज्ञान जो निकलेगा उसका वायब्रेशन जो बनेगा वो वायब्रेशन सतयुग की स्थापना करेगा? सतयुग की स्थापना करेगा या क्रांति की स्थापना करेगा? क्रांति होती है। क्या? गूंजी विनाश की वाणी फिर भी कितनी कल्याणी। दुनिया का विनाश हो जायेगा और कल्याण तो हो जायेगा, अकल्याण नहीं होगा लेकिन सतयुग स्थापन नहीं होगा। वो सतयुग कब स्थापन होगा? सतयुग है प्रवृत्तिमार्ग की दुनिया। वो प्रवृत्तिमार्ग की दुनिया अकेले शंकर के द्वारा नहीं हो सकती। (कोई) कहे, ए शंकर के द्वारा? शंकर अकेला कहां रहता है? शंकर का तो प्रवृत्तिमार्ग का पार्ट है। शंकर जो है वो तो काशी वासी है। काशी नगरी उसे बहुत प्रिय है। तो प्रवृत्ति हुई न? लेकिन काशी नगरी जो है वो रुद्रमाला का मणका है या विजयमाला का मणका है? फिर भी तो रुद्रमाला का मणका है। चोले से तो भाई बहन हुए ना? भाई बहन की कही थोड़े ही प्रवृत्ति बनती है।

Time: 34.05-39.05

Student: Baba, Baba has said in a murli that the soul of Lakshmi takes knowledge from Prajapita.

Baba: No, this is wrong. Prajapita is a male, he has a male body; he has, hasn't he? Are all males Duryodhan, Dusshasan[2] or not? Whether it is Brahma whether it is Shankar, they have a male body, haven't they? The knowledge that will come out through the mouth of a male body, the vibration that will be created through it, will that vibration establish the Golden Age? Will it establish the Golden Age or will it bring revolution? Revolution takes place. What? *Goonji vinash ki vani phir bhi kitni kalyani*[3]*;* the destruction of the world will take

[2] Villainous characters in the epic Mahabharata.
[3] The resounding words of destruction are so beneficial.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

place and benefit will certainly be brought about, there will be no harm but the Golden Age will not be established. When will that Golden Age be established? The Golden Age is the world of the household path *(pravritti marg)*. That world of the household path cannot be created through Shankar alone. Someone may say, Hey! [Why not] through Shankar? Shankar is not single; Shankar's part is that of the *pravritti marg*. Shankar is the resident of Kashi. Kashi nagari is very dear to him. So, they make a couple (household), don't they? But is Kashi nagari the bead of the *Rudramala* (the rosary of Rudra) or is she a bead of the *Vijaymala* (the rosary of victory)? Even so, she is a bead of the *Rudramala*. They are brother and sister with respect to their body, aren't they? A brother and a sister never form a couple.

जिज्ञासु- बाबा, एक मुरली में ये बोला है कि लक्ष्मी ऐसा ज्ञान देगी प्रजापिता को कि वो सेकेण्ड में नर से नारायण बनेगा।

बाबा- प्रजापिता को?

जिज्ञासु- कि वो सेकेण्ड में नर से नारायण बन जायेगा।

बाबा- हाँ, सेकेण्ड में नर से नारायण बन जायेगा।

जिज्ञासु- प्रजापिता तो खुद ज्ञानी आत्मा है तो लक्ष्मी उसे क्या ज्ञान देगी?

बाबा- लक्ष्मी ज्ञान नहीं देगी। लक्ष्मी जो है वो ज्ञान देती है प्रैक्टिकल धारणा का। एक होता है ज्ञान मुख से सुनाने का, एक होता है ज्ञान दृष्टि से देखने का, एक होता है ज्ञान वायब्रेशन का, एक ज्ञान होता है - जीवन में समाया हुआ है, मुख से बोला नहीं है, प्रैक्टिकल जीवन में ज्ञान समाया हुआ है। तो वो प्रैक्टिकल धारणा रुद्रमाला के मणकों में नहीं है लेकिन विजयमाला के मणकों में वो प्रैक्टिकल धारणा होगी ज्ञान की। उसके बगैर निस्तार नहीं है। इसलिए माता गुरु चाहिए। पत्नी को माता भी कहते हैं।

Student: Baba, it has been said in a Murli that Lakshmi will give such knowledge to Prajapita that he will transform from a man to Narayan in a second.

Baba: To Prajapita?

Student: That he will transform from a man to Narayan in a second.

Baba: Yes, he will transform from a man to Narayan in a second.

Student: Prajapita is himself a knowledgeable soul. So, how can Lakshmi give him knowledge?

Baba: Lakshmi will not give him knowledge. Lakshmi gives him the knowledge of putting the knowledge into practice (*dharnaa*). One kind of knowledge is to narrate [knowledge] through the mouth; one kind of knowledge is by seeing through the eyes , one is knowledge through vibrations and one kind of knowledge is such knowledge that it is immersed in life, it is not spoken through the mouth, it is immersed in the practical life. So, that practical *dharnaa* is not in the beads of the *Rudramala*, but the beads of the *Vijaymala* will have that practical *dharnaa* of knowledge. The task cannot be accomplished without it. This is why the mother guru is required. The wife is also called a mother.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु- तो बाबा, रुद्रमाला से भी अच्छा विजयमाला है ना? पवित्र भी रहती है और

बाबा- ठीक है पवित्र भी रहती है, सन्यासी भी पवित्र रहते हैं लेकिन जो राजयोग का लक्ष्य है वो लक्ष्मी प्राप्त करती है या नारायण प्राप्त करता है? (किसी ने कहा - नारायण) राजयोग का लक्ष्य क्या है? (किसी ने कहा - नर से नारायण) क्यों नारी से लक्ष्मी बनना नहीं है? राजयोग का लक्ष्य है स्वतंत्र बनना, किसी के आधीन नहीं बनना। जो अधिकारी होते हैं वो कभी किसी के आधीन नहीं होते और भगवान हमको स्वाधीन बनाने आया हुआ है और लक्ष्मी? सदैव स्वाधीन होगी या पराधीन भी होगी? राजा के नीचे तो रहना पड़ेगा? इसलिए बाप के बच्चे रुद्रमाला के मणके हैं, शिवबाप के बच्चे। विजयमाला के मणके बाप के डायरेक्ट बच्चे नहीं है। वो बच्चे तब बनते हैं जब रुद्रमाला के 100% सहयोगी बन जाये। जैसे शादी हो जाती है तो शादी होने के बाद जो कन्या है, दूसरे कुल की है तो भी जब शादी हो गई तो उसका कुल बदल गया। ऐसे वो सूर्यवंशी बन जाते हैं सूर्य के बच्चे। तो आप आधीन बनना पसंद करते हैं।

Student: So Baba, *Vijaymala* is better than *Rudramala*, isn't it? They remain pure and…

Baba: Alright, they remain pure; *sanyasis* also remain pure, but does Lakshmi achieve the aim of *Rajyog* or does Narayan achieve the aim? (Someone said: Narayan) What is the aim of *Rajyog*? (Someone said: transformation from a man to Narayan) Why? Isn't it to transform from a woman to Lakshmi? The aim of *Rajyog* is to become independent; not to remain under anyone's control. Those who are controllers never remain under anyone's control. And God has come to make us independent. And what about Lakshmi? Will she always be independent or will she also be dependent? Will she not have to be under the [control of] the king? This is why, the Father's children are the beads of the *Rudramala*; the children of the Father Shiv. The beads of the *Vijaymala* are not the direct children of the Father. They become children (of the Father) when they become 100% helpful to the *Rudramala*. For example, when marriage takes place, after marriage, although the virgin (i.e. bride) belongs to another clan, when the marriage has been solemnized, her clan changes. Similarly, they (i.e. the beads of *Vijaymala*) become *Suryavanshis* (those who belong to the Sun dynasty), the children of the Sun. So, you like to become subordinate.

समय-53.00-01.00.07

जिज्ञासु- बाबा, इनका प्रश्न है कि महाभारत में विदुर जो है वो कभी भी लॉ बनाके रखता था। तो इनका इसमें कैसा पार्ट है?

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबा- विद माने होता है जानना। विद से बनता है विद्वान, वो है उसका नाम विदुर। होशियार था या बुद्धू था? उसके जीवन से क्या साबित होता है? होशियार था या बुद्धू था? अरे, जितने भी पात्रधारी हैं उनके बीच में होशियार था या बुद्धू था? होशियार था। इतनी होशियारी थी कि उसकी कोई गलती नहीं पकड़ सकता। कोई गलती उसने की ही नहीं, था महामंत्री। किसका? कौरवों का जो हेड था धृतराष्ट्र उसका महामंत्री है। महामंत्री होते हुए भी उस महामंत्री पद का त्याग कर दिया जब देखा कि मेरी पकड़ से ये पाप की दुनिया परे है। तो अच्छा काम किया या बुरा काम किया? और भीष्म पितामह पकड़े बैठे रहे। तो भीष्म पितामह से गलती हुई, द्रोणाचार्य से गलती हुई या विदुर से गलती हुई? उन लोगों से गलती हो गई।

Time: 53.00-01.00.07

Student: Baba, he wants to ask that in Mahabharata Vidur used to always maintain law. So, what kind of part does he have?

Baba: *Vid* means to know [the word] *vidwan* comes from [the word] *vid*; his name is Vidur. Was he intelligent or a fool? What does his life prove? Was he intelligent or a fool? Arey, among all the actors, was he an intelligent one or a fool? He was intelligent. He was so intelligent that nobody could catch his mistakes. He never committed any mistake. He was the Prime Minister (*Mahamantri*). Whose? He was the Prime Minister of the head of the Kauravas, i.e. Dhritarashtra. Despite being a Prime Minister, he gave up the post of a Prime Minister when he observed that this sinful world is beyond his grip. So, did he perform a good task or a bad task? And Bhishma Pitamah continued to hold on to it. So, did Bhishma Pitamah commit a mistake, did Dronacharya commit a mistake or did Vidur commit a mistake? Those people (i.e. Bhishma and Dronacharya) committed a mistake.

विद्वान तो उसीको कहा जाता है, जानकार; विद माना जानना, जांता पार्टी। जानकार उसे ही कहा जायेगा, ज्ञानी उसे ही कहा जायेगा, जैसा समय हो वैसे समय के अनुसार ऐसा कार्य करे जिससे आत्मा का कल्याण हो, अकल्याण न हो। विदुर जो है कौरवों का भी महामंत्री रहा, फिर महाभारत पूरा हो गया। पांडवों ने किसी दूसरे को महामंत्री बनाया होगा या विदुर को ही महामंत्री बनाया होगा? किसको बनाया होगा? विदुर को ही महामंत्री बनाया गया। तो ऐसी आत्मा यहाँ ब्राह्मणों की दुनिया में भी कोई होनी चाहिए ना? महान ते महान मंत्रणा देने वाले को महामंत्री कहा जाता है, अच्छे से अच्छी मंत्रणा, सलाह। तो जो अच्छे से अच्छी मंत्रणा देने वाला है, अच्छे से अच्छी सलाह देने वाला है.... कोई पात्रधारी होना चाहिए और वो पात्रधारी सतयुग में ही नहीं ये श्रेष्ठ दुनिया में ही नहीं, जब द्वापरयुगी दुनिया होगी शुरु,

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

वहाँ भी जो बड़े-2 सम्राट होंगे उन सम्राटों के काल में भी वो महामंत्री रहा होगा। कोई प्रसिद्धि है ऐसी?

Only he is called a *Vidwan,* a knowledgeable one who... *Vid* means to know (*jaan.na*); Janta Party (the party which knows). The one who acts in such a way, according to the time, that the benefit is brought about to the soul and that it does not bring harm to the soul wil be called a knowledgeable person. Vidur was the Prime Minister of Kauravas; then, the Mahabharata was over. Will the Pandavas have appointed anyone else as their Prime Minister or will they have made Vidur their Prime Minister? Whom will they have appointed [as Prime minister]? Vidur was made their Prime Minister. So, there should be such a soul in the world of Brahmins also, shouldn't there? The one who gives the greatest advice (*mantrana*) is called the Prime Minister (*Mahamantri*); the best advice, opinion. So, the one who gives the best advice, the best opinion… there should be some actor [like this] and it is not that that actor exists only in the Golden Age, in the righteous world, but when the Copper Age world will begin , the great emperors that will exist there, he will have been a Prime minister in the age of those great emperors too. Is there anyone with such fame?

जिज्ञासु- बाबा, अभी आपने बताया कि जानता पार्टी तो सब जानते हैं।

बाबा- सब नहीं जानते।

जिज्ञासु- कुछ तो जानते हैं।

बाबा- जानता पार्टी माना उसको ज्ञान है, कहाँ खराब हो रहा है, कहाँ अच्छा हो रहा है।

जिज्ञासु- बाबा, अभी जो इलेक्शन हो रहा है ना उसमें जनता पार्टी गवर्मेंट आयेगा क्या? गवर्मेंट वो फॉर्म करेगा क्या?

Student: Baba, now you said that Janta Party knows everything.
Baba: They do not know everything.
Student: They know something.
Baba: Janta Party means it has the knowledge that where something wrong is going on and where something good is going on.
Student: Baba, will Janta Party be [elected] as the government in the election that is taking place now? Will it form the government?

बाबा- 76 में, 76 में जानता पार्टी ऊपर आई या नहीं आई? आई लेकिन जो ज्ञान के अनुसार कार्य है सो नहीं किया। जो बाबा बताते हैं, चारों तरफ घेराव डालो। वो घेराव उन्होंने सारा दिल्ली में डाल दिया। चारों ओर घेराव नहीं डाला। तो दिल्ली की सातों-आठों सीटे तो जीत ली, बाकी जगह डब्बा गोल हो गया। तो जनता पार्टी सफल नहीं हुई। है तो ज्ञानी लेकिन ज्ञान का उपयोग भी तो पूरा करना चाहिए ना? पूरा उपयोग नहीं कर पाते। जब पूरा उपयोग करेंगे तो जीत हो जायेगी। उनका जीवन जो है, ज्ञानियों का जीवन जो है कैसा जीवन है?

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

निशानी दिखाई गई है, क्या निशानी दिखाई गई है? अरे, जांता पार्टी की क्या निशानी दिखाई गई है? कमल का फूल। माना ज्ञानियों का जो जीवन है वो कमल फूल के समान जीवन है, कीचड़ की दुनिया में रहते हैं।

Baba: Did Janta Party emerge in (19)76 or not? It did, but it did not perform the task that should have been performed as per knowledge. [The task that] Baba says, surround from all directions. They surrounded Delhi, they did not surround it from all the directions. So, they did win all the seven-eight seats in Delhi, but lost the seats in other places. So, the Janta Party did not succeed (completely). They are indeed knowledgeable, but they should make complete use of the knowledge, shouldn't they? They are unable to use it completely. When they use it completely, they will win. Their life, the life of a knowledgeable person, what kind of a life is it? A symbol has been shown; what symbol has been shown? Arey, what is the symbol of Janta Party? The Lotus flower. It means that the life of the knowledgeable ones is like the lotus flower. They live in a world of sludge.

76 से जो भी एडवांस पार्टी निकली उसमें जो भी बन्दे निकले वो घर गृहस्थ के कीचड़ में रहने वाले निकले या आश्रम के पवित्र वातावरण में रहने वाले हैं? घर गृहस्थ के कीचड़ में रहने वाले हैं। फिर भी वहाँ रहते हुए भी बुद्धि से मनन चिंतन मंथन ज्ञान का करने वाले हैं। कमल फूल समान उनका जीवन तो है... कमल में भी कोई श्वेत कमल होता है, कोई रक्त कमल होता है, कोई पीत कमल होता है। कमल एक प्रकार का होता है? भांति-2 के कमल होते हैं। तो यहाँ वैराईटी है। वो जनता पार्टी में भी एक ऐसा था जो भ्रष्टाचार नहीं करता था । बाकी सारे ही पकड़ लिए गए भ्रष्टाचार में। जनता पार्टी का शासन चला कि नहीं चला? चला ना? सारे ही मंत्रियों ने भ्रष्टाचार किया। वो एक कौन था जो भ्रष्टाचार में नहीं पकड़ा गया? (जिज्ञासु ने कुछ कहा) नहीं। अटल बिहारी वाजपाई।

Did all those who emerged in the Advance party in 1976 live in the sludge of household or in the pure atmosphere of an ashram? They live in the muck of household. Yet, despite living there, they think and churn about knowledge through their intellect. Their life is indeed like a lotus flower..... Even among lotuses some lotuses are white, some are red, some are yellow. Are lotus flowers of one kind? There are a variety of lotus flowers. So, there is a variety here. In that Janta Party also there was one person who was not involved in corruption. All others were caught for their involvement in corruption. Was there the rule of Janta Party or not? There was, wasn't it? All the ministers were involved in corruption. Who was the one not caught in corruption? (Student said something). No. Atal Behari Vajpayee.

समय-01.07.12-01.13.39

जिज्ञासु- बाबा, सतयुग में तो ऐसे अनुभव नहीं होगा कौन दास-दासी है, कौन राजा है, कौन प्रजा है। बुद्धि तो होती नहीं है।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबा- उसकी बात छोड़ दो। यहाँ के जो सनातन धर्म के प्रायः लोप परिवार हैं, 60-70 लोग एक ही परिवार में रहते हैं, एक चूल्हे पर खाना बनता है, एक घर का मुखिया होता है उस मुखिया की बात सब मानते हैं। एक भी ऐसा परिवार में बन्दा नहीं जो मुखिया की बात न मानता हो। उस मुखिया के 8-10 बच्चे हैं, 8-10 बच्चियाँ हैं, बहुएँ हैं। उन बच्चों में जो सबसे छोटा बच्चा होगा वो बड़े भाई की बात मानेगा या इंकार करेगा? प्यार से मानेगा या जोर जबरदस्ती मानेगा? (सभी- प्यार से मानेगा) प्यार से मानेगा।

Time: 01.07.12 – 01.13.39

Student: Baba, there will be no feeling of being a servant or maid, king or subjects in the Golden Age. They don't have intelligence.

Baba: Leave that topic aside. Here, the families of *Sanatan Dharma* which have almost disappeared; 60-70 people live in the same family, food is cooked in the same kitchen, there is one head of the family and everyone obeys that head. There will not be even one person in the family who does not obey the head. That head has 8-10 sons, 8-10 daughters, daughters-in-law. Among those children will the youngest one obey the elder brother or not? Will he obey it lovingly or will he obey on being forced? (Everyone said – He will obey it lovingly) He will obey it lovingly.

तो ये संस्कार कहाँ से आये? पूर्व जन्म से ही वो संस्कार नूँधे हुए हैं उसके और वो ऐसे ही नूँधे हुए हैं जैसे पुरुषोत्तम संगमयुग में एडवांस पार्टी जब शुरु होती है तो चार मुख्य धर्मों के चार बीज ब्रह्मा के मुखवंशावली बनते हैं, इस्लामी, बौद्धी, क्रिश्च्यन्स और राम वाली आत्मा। चार बीज, चार धर्मों के बीज है। कोई बड़ा है, कोई छोटा है, भाई तो है? जो दुनिया में कहावत है, हिन्दु, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई सब आपस में भाई-2 तो कभी तो भाई-2 बने होंगे ना? वो ही भाई जो 76 में आपस में मिल करके भ्रातृत्व भाव में रहते थे, सतोप्रधानता की स्टेज में शूटिंग करने के कारण वो ही भाई बादमें जो तीन धर्मों के तीन विदेशी है, बीजरूप आत्मायें उनमे से वो विरोधी बन जाते हैं। आदि से ही विरोधी बनी और अब तक भी विरोधी बनी हुई है, 'सदगुरु निन्दक ठौर न पावे' की शूटिंग कर रही है। आदि में सहयोगी थी, तो जो आदि में सो अंत में होगा या नहीं होगा? नहीं होगा? होगा। वो अंत में ऐसे सहयोगी बनेंगे, इतने गहरे सहयोगी बनेंगे, एक बाप का बच्चा बन करके दिखायेंगे कि उनके अंत मते सो गते के संस्कार पक्के हो जायेंगे। तो क्या जो नई दुनिया में उनको जन्म मिलेगा... जन्म लेंगे कि नहीं लेंगे? नई दुनिया में जायेंगे तो चारों को एक जैसा पद मिलेगा? नहीं मिलेगा।

So, from where did these *sanskars* emerge? Those *sanskars* are recorded from the previous births itself and its recording takes place just like when the Advance Party begins in the *Purushottam Sangamyug*, four seeds of the four main religions become the mouth born progeny of Brahma, [the seed souls] of Islam religion, Buddhism, Christianty and the soul of

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Ram. The four seeds are the seeds of the four religions. Someone is older, Someone is younger, but they are brothers, aren't they? The saying that there is in the world, Hindus, Muslims, Sikhs and Christians all are brothers among themselves; so, they must have become brothers at some point of time, mustn't they? The same brothers who used to live together like brothers in 1976 due to doing the shooting in the stage of *satopradhanta* (stage of goodness and purtiy); the same brothers later, among them the three seed form souls, the three foreigners of the three religions become opponents. They became opponents from the beginning and are opponents even until now; they are performing the shooting of '*sadguru nindak thaur na paavey*' (the one who defames the Sadguru does not get any shelter). They were helpful in the beginning; so will whatever happened in the beginning happen in the end or not? Will it not happen [like that]? It will. They will become such helpers in the end, they will become so deeply helpful, they will prove to be the children of the one Father that their *sanskars* of '*ant mate so gate'* (as the thoughts in the end so shall be the fate) will become strong. So, when they will be born in the new world.....will they be born or not? When they go to the new world, will all four of them get equal post? They will not.

राम वाली आत्मा की यादगार है कि राजगद्दी जमी हुई है। राजगद्दी का चित्र देखा है? राम का चित्र नहीं देखा? राम वाली आत्मा राजगद्दी पे बैठी हुई है, लक्ष्मण वाली आत्मा चवर डुला रही है, भरत वाली आत्मा छत्र लिए खड़ी है, शत्रुघ्न वाली आत्मा पाँव धो रही है। ये दास-दासी का कर्म क्यों दिखाया गया? उन्हें दुःख हो रहा है? ये काम करते-2 उन्हें दुःख हो रहा है क्या? नहीं हो रहा है। तो ये संस्कार कहाँ से आये? ये खुशी-2 अपना काम कर रहे हैं या दुःखी हो करके काम कर रहे हैं? खुशी-2 दासत्व भाव उन्होने स्वीकार किया हुआ है या कठिनाई हो रही है? खुशी-2 करते हैं। ऐसे ही सतयुग में भी जो भी दास-दासी कर्म करने वाले होंगे उनके संस्कार यहाँ पड़ रहे हैं। आखरीन जिनके खराब संस्कार है और दास-दासी पने की शूटिंग कर रहे हैं वो भी सुधरने हैं या नहीं सुधरने हैं? सुधरेंगे ना? जब सुधर जावेंगे तो वो ही दास-दासी जो है वो राजधानी में पहुँच जायेंगे। जो राजधानी हमारी स्थापन होने वाली है। ऊँच पद पायेंगे या नीच पद पायेंगे? कैसा पद पायेंगे? नीच पद पायेंगे। लेकिन उस पद में भी उनको दुःख नहीं होगा, वो बड़े खुशी होंगे, प्रसन्न रहेंगे। वो ही अंत मते सो गते के संस्कार सतयुग में चलते रहेंगे। तो वहाँ ऊँच नीच का सवाल नहीं होता है। आज के परिवारों में भी देखा जाता है, जो छोटा भाई होता है वो बड़े भाई की बातों को मानता है, उसकी सेवा करता है, पाँव दबाता है, दास-दासी कर्म करता है सारा। लेकिन बड़े भाईयों को छोटे भाई के प्रति प्यार होता है या नहीं होता है?

There is a memorial of the soul of Ram; the king's throne has been set; have you seen the picture of the king's throne? Have you not seen the picture of Ram? The soul of Ram is sitting on the throne. The soul of Lakshman is holding the fan (*chavar*); the soul of Bharat is

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

standing with an umbrella. The soul of Shatrughna is washing his (Ram's) feet. Why have these actions of servants been shown? Are they feeling sorrowful? Are they feeling sorrowful while performing these tasks? They aren't. So, from where did they get these *sanskars*? Are they doing their jobs happily or sadly? Have they accepted the job of servants happily or do they feel any difficulty? They do it happily. Similarly, the *sanskars* of the people who will perform the duties of maids and servants are being recorded here. Ultimately, will the ones with bad *sanskars* and the ones who are performing the shooting of maids and servants reform or not? They will reform, will they not? When they reform, the same servants and maids will reach the capital, our capital which is going to be established. Will they achieve a high post or a low post? What kind of a post will they achieve? They will achieve a low post. But even with that post they will not feel sorrowful; they will be very joyful, very happy. The same *sanskars* of '*ant mate so gate*' will continue in the Golden Age. So, the question of high and low does not arise there. It is seen even in today's families too that the younger brother obeys the directions of the elder brother, he serves him, presses his legs, performs all the duties of servants and maids. But do the elder brothers have love for the younger brother or not?

जिज्ञासु- लेकिन गिने चुने दो-चार लोग है ना ऐसे?

बाबा- आदि सनातन देवी देवता धर्म प्रायः लोप है माना गिने चुने ही होंगे ना? सारे दुनिया में जो राज्य चल रहे हैं, राजा बन करके बैठे हुए हैं वो अपनी प्रजा को अपना भाई समझते हैं? अपना घर वाला समझते हैं क्या? फैमली का सदस्य समझते हैं? नहीं। वो तो खून चूस रहे हैं उनका।

Student: But such people are handful, aren't they?

Baba: The Ancient deity religion has almost disappeared; it means that there will be very few [like that], will there not? Do those who are ruling the entire world, those who are sitting as kings consider their subjects as their brothers? Do they consider them to be members of their family? Do they consider them to be members of their family? No. In fact they are sucking their blood.

……

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info